>

Title: Drought situation in Kalahandi, Nuapada and western districts of Odisha.

श्री भक्त चरण दास (कालाहांडी): महोदय, आज एक गंभीर समस्या उड़ीसा राज्य में दिखायी दी है। अब तक जिस अनुपात में बारिश होनी चाहिए, उड़ीसा में उसकी पचास प्रतिशत बारिश भी नहीं हुयी है। इसके कारण राज्य में करीब अस्सी प्रतिशत से ज्यादा इलाकों में अकाल की स्थिति पैदा हो गयी है। उसमें सबसे ज्यादा इफेक्टेड पश्चिमी उड़ीसा है। उसमें बोलांगीर, नापड़ा, बौत, कालाहांडी का सारा एरिया आता है। मेरे संसदीय क्षेत्र कालाहांडी में आप देखेंगे कि पिछली 13 जुलाई तक 327.7 मिलीमीटर बारिश होनी चाहिए थी, उसके अगेंस्ट में मात्र 100.87 मिलीमीटर बारिश हुयी है। आप सोच सकते हैं कि वहां जो सीड्स बोए गए थे, उनकी क्या हालत हुयी होगी? वहां जमीनों में पानी नहीं रहा। ट्रंसप्लांट टेक-अप नहीं हो पाया और पूरी फसल नष्ट हो चुकी है। खेतों में पानी नहीं है, तालाबों में पानी नहीं है, नाले में पानी नहीं हैं, नदियों में पानी नहीं है, जो भी रिजर्व इरीगेशन का था, उसमे भी पानी नहीं है। जो मेजर इरीगेशन प्रोजेक्ट है, इंद्रावती इरीगेशन प्रोजेक्ट की अथारिटी ने पिछले 30 तारीख को डिक्लेयर कर दिया कि पानी नहीं है और हम किसानों को पानी नहीं दे पाएंगे। अकाल की स्थिति से उभरकर कालाहांडी जिला विकास की स्थिति में आया था और हम बीस हजार मीट्रिक टन से सात लाख मीट्रिक टन चावल

पैदा करते थे। आज उस इलाके में जो आबोहवा आज दिखाई दी है, उसमें लोगों की हालत बहुत बुरी होगी।

महोदय, अंडर ग्राउंड वाटर टेबल नीचे जा चुका है।

सभापति महोदय : आप अपनी मांग रखिए।

श्री भक्त चरण दास : मैं अपनी मांग रखता हूं। वहां अकाल की परिस्थिति पैदा हो गयी है। वहां जानवरों की हालत खराब हो रही है। वहां पानी नहीं है, किसानों और गरीबों की जो हालत हो रही है, मेरा आपके माध्यम से केंद्र सरकार से निवेदन और मांग है कि उड़ीसा में एक विशेष टीम भेजी जाए और वहां अकाल की स्थिति का अध्ययन किया जाए। वहां के किसानों और आदिवासियों की समस्याओं के हल के लिए सही व्यवस्था की जाए। I strongly demand that a Central Team should visit and assess the real position in Odisha. ...(व्यवधान)

SHRI TATHAGATA SATPATHY (DHENKANAL): Sir, I associate myself with what he has stated. I support what he has stated. What he has said is very true.

सभापति महोदय : श्री तथागत सत्पथी अपने आपको श्री भक्त चरण दास के विषय के साथ संबद्ध करते हैं।